

नम्बर व
अहकाम ज
की तामी

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कठूमर (अलवर)

पीठासीन अधिकारी श्री कनिष्क सैनी आर ए एस

राजस्व प्रार्थना पत्र संख्या 2/461/2015

वउनवान

1. मु0भौती पत्नी रतनलाल जाति मीना निवासी गुण्डवास
तहसील कठूमर

----- सायला

बनाम

1. बबलू पुत्र हरेत जाति मीना निवासी गुण्डवास
2. समयसिंह पुत्र काडू जाति मीना निवासी गुण्डवास
3. ज्ञानसिंह पुत्र काडू जाति मीना निवासी गुण्डवास
4. दिनेश पुत्र मिश्रू जाति मीना निवासी गुण्डवास
5. कैलाश पुत्र रामधन जाति मीना निवासी गुण्डवास
तहसील कठूमर

----- गैरसायल

दर0 212 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

उपस्थित :-

श्री महेन्द्रसिंह कपासिया एडवोकेट : वकील सायल

श्री रामजीलाल शर्मा एडवोकेट: वकील गैरसायलान

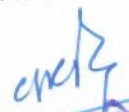
आदेश दिनांक 15.03.2018

सायला द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार हैं कि आराजी खसरा नम्बर 511 रकवा 0.10 हे. ग्राम गुण्डवास तहसील कठूमर में स्थित है। उक्त आराजी सायला की कब्जे काश्त खातेदारी की आराजी है। जिस आराजी पर सायला काविज रहकर काश्त करती है। विवादित आराजी से गैरसायलान का किसी तरह का सम्बन्ध व सरोकार नहीं है। गैरसायलान जबर्दस्त व ताकतवर व्यक्ति है जो जवरन व ताकत के वल पर विवादित आराजी पर कब्जा करना चाहते हैं तथा सायला को


उपखण्ड अधिकारी
कठूमर (अलवर)

विवादित आराजी से वेदखल करना चाहते है। सायला महिला है। गैरसायलान मना करने से नहीं मान रहे है। जबकि गैरसायल को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। यदि गैरसायलान अपने नापाक ईरादों में कामयाव हो गये तो सायला को अपार हानि क्षति व असुविधा होगी जिसकी पूर्ति पैसों में संभव नहीं है। प्रथम दृष्टा केस सुविधा का सन्तुलन एवं ना-पूर्ति होने वाली क्षति सायला के पक्ष में सावित है। अतः सायला ने प्रार्थना पत्र स्वीकार कर आराजी खसरा नम्बर 511वाके ग्राम गुण्डवास तहसील कठूमर में सायला के काश्तकारी कार्य करने में किसी किस्म की रूकावट व मजाहमत पैदा ना करने जवरन वेदखल कर खुद कब्जा ना करने वावत गैरसायलान को पाबन्द कराने की प्रार्थना की है।

प्रार्थना पत्र सायला दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैरसायल को जरिये नोटिस तलव किया गया। गैरसायल सं० 3 बाबजूद नोटिस तामील उपस्थित नहीं आया जिसके विरुद्ध दिनांक 04.02.2016 को एकपक्षिय कार्यवाही अमल में लाई गई। गैरसायल संख्या 1, 2, 4, 5 ने हाजिर अदालत होकर अपना जवाब पेश कर कथन किया कि विवादित आराजी से हम गैरसायलान का किसी तरह का सम्बन्ध व सरोकार नहीं है और ना ही हम गैरसायलान सायला के कब्जे काश्त में बाधा पैदा करते है। सायला झगडालू किस्म की महिला है। जो खसरा नम्बर 511 पर काविज है। लेकिन सायला व इसके परिवार वाले खसरा नम्बर 511 की आड में गै०मु० खसरा नम्बर 513 पर जवरन कब्जा करना चाहते है तथा रास्ता की भूमि पर कब्जा कर रास्ता रोकना चाहती है जिसके लिये सायला ने रास्ता की भूमि में छप्पर डालकर वो दीवार बनाकर व देवताओं के थान आदि बनाकर रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा है। जिस अतिक्रमण वावत उप तहसीलदार भनोखर ने भी रास्ते की भूमि पर से अतिक्रमण हटाने वावत धारा 91 एल आर एक्ट का नोटिस भी दिया जा चुका है व सायला व उसके पति को वेदखल किया जा चुका है तथा ग्राम पंचायत सहाडी द्वारा रास्ता की भूमि में पक्की दीवार खडी करने वावत दीवार को तोडने के आदेश दिये जा चुके है। रास्ता की पैमाइस करने का अधिकार उप तहसीदार भनोखर को है। जिसको सायला किसी भी प्रमकार से पैमाइस करने से नहीं रोक सकती सायला ने सही तथ्यों को छुपाकर गलत तथ्यों पर प्रार्थना पत्र पेश किया है जो खारिज किया जावे।


उपखण्ड अधिकारी
कठूमर (अलवर)

जायत ० ५१५१ ५ १५५५ ५ समय लगगा, झालर यह दर० पेश की जा


रही है जिसे दाता के कर्तव्यों के साथ पढ़ा जावे।

पत्रावली का अवलोकन किया। सायल को प्रार्थना पत्र में सफलता प्राप्त करने के लिये निम्न तीन विन्दुओं को अपने पक्ष में सावित कराना है :-

1. प्रथम दृष्टा केस
2. सुविधा का सन्तुलन
3. ना-पूर्ति होने वाली क्षति

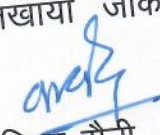
उक्त विन्दुओं पर हमारा विवेचन निम्न प्रकार से है।

पत्रावली के तथ्यों पत्रावली में संलग्न जवाब दर0 राजस्व रेकार्ड दस्तावेजात का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्ता पक्षकारान की वहस पर मनन किया। यह निर्विवाद है कि विवादित आराजी खसरा नम्बर 511 रकवा 0.10 हे. सायला की खातेदारी कब्जे काश्त की भूमि है। जिसको गैरसायलान ने स्वीकार किया है। खसरा नम्बर 511 रकवा 010 हे. के सम्बन्ध में प्रस्तुत दावा स्थाई निषेधाज्ञा प्रथम दृष्टया सायला के पक्ष में सावित है। सुविधा का सन्तुलन एवं अपूर्णीय क्षति का विन्दु भी सायला के पक्ष में प्रवल है। अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार किया जाकर अप्रार्थीयान को पाबन्द किया जाता हे कि दावे के अंतिम निस्तारण तक सायला की खातेदारी भूमि खसरा नम्बर 511 रकवा 0.10 हे. वाके, ग्राम गुण्डवास तहसीली कठूमर पर सायला के कब्जे काश्त में दखलनदाजी, मजाहमत निर्माण नहीं करे। मौके की वस्थास्थिति बनाये रखें। खसरा नम्बर 513 गै0मु0 रास्ते पर से अतिक्रमण हटाने, खसरा नम्बर 511, 513 अथवा आस पास के अन्य खसरा नम्बरान की नियमानुसार पैमाइस, नाप जोख करनेके लिये तहसीलदार कठूमर स्वतंत्र है। पत्रावली फैसल सुमार होकर नम्बर से कम हो वो वाद तकमील मूल वाद के साथ संलग्न हो।


कनिष्क सैनी

उपखण्ड अधिकारी कठूमर

आज दिनांक 15.03.2018 को यह आदेश मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


कनिष्क सैनी

उपखण्ड अधिकारी कठूमर